राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना

कार्य का नाम मय कोड : ग्रेवल सडक निर्माण माफलपुरा से नाले तक (1314)
गांव का नाम : माफलपुरा
ग्राम पंचायत : पुरेनी
पंचायत समिति : धौलपुर
कार्यकारी संस्था : ग्राम पंचायत पुरैनी
तकनीकी स्वीकृति : 393 दिनांक 21.3.08
प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति : एफएसडीएच 1 दिनांक 29.03.08
स्वीकृति राशि : 6.832 लाख

: नरेगा योजना के पहले गांव की स्थिति :

पंचायत समिति धौलपुर के ग्राम पंचायत पुरैनी के गांव माफलपुरा जो कि धौलपुर जिले से 12 किमी दूर एवं ग्राम पंचायत मुख्यालय से 3 किमी दूर है। इस गांव की जनसंख्या लगभग 850 है। यहॉ के लोग धौलपुर जिले में या अन्य स्थानो पर जाकर मेहनत मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते थे, जिससे उन ग्रामीणो का परिवार छिन्न भिन्न था। गांव में या आसपास रोजगार के साधन नही थे, औरते घर में ही काम करती थी घरो से बाहर नही निकलती थी। गांव की मुख्य सडक योजना से पहले माफलपुरा से बासईसामान्ता तक पूर्णत कच्ची थी इस कच्चे रास्ते में पानी भी भरा रहता था एवं घास फूस होने के कारण सांप, बिच्छू का भी बहुत खतरा रहता था। गांव के लोगो द्वारा दूध एवं अन्य सामान लाने व लेजाते समय गिर जाते थे जिससे बहुत नुकसान हो जाता था। वहॉ से राहगीरो को निकलने में बहुत परेशानी होती थी। स्कूल जाने वाले बच्चे एवं बडे, बूढो का आये दिन उस खराब रास्ते में गिरना एवं वाहनो का फसना आम बात थी। ग्रामीणो को धौलपुर मुख्यालय पर स्थित बाजार व स्वास्थ्य केन्द्र पर जाने में एवं आने जाने के असुविधा होती थी। गांव के लोग योजना से पहले गांव की मुख्य सडक बनवाने की मांग सरपंच एवं विधायक से कर रहे थे,

परन्तु उनकी कोई सुनवाई नही हो रही थी और गांव वालो ने हार कर गांव की मुख्य सडक बनने की उम्मीद छोड दी थी। जब गांव वालो को नरेगा योजना के बारे में जानकारी मिली तो ग्रामीणो का कहना था कि ऐसी योजनाऐं बहुत आती है। और चली जाती है। कहीं कुछ नही होता है। इस प्रकार ग्रामीणो को इस योजना पर बिल्कुल भी विश्वास नही था।

<u>नरेगा योजना शुरू होने के बाद मेहरा गांव की स्थिती :</u>

आज इस माफलपुरा गांव की व गांव के परिवार की स्थिति बदल गई है लोग बहुत खुश है अब ग्रामीणो को सरकार की योजना पर विश्वास होने लगा है, इस विश्वास एवं उनकी खुशी का कारण है राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना। इस योजना से लोगो को जो सबसे बडा लाभ हुआ वह ग्रामीणो को उनके गांव में ही रोजगारर का साधन मिल गया और रोजगार भी ऐसा जिसमें पति व पत्नी दोनो मिलकर काम कर सकते है और एक व्यक्ति की मजदूरी लगभग 100रूपये प्रतिदिन अगर पत्नी भी काम पर जाती है तो उसके भी 100/–रूपये प्रति दिन के होते है अगर दोनो काम पर जाते है तो 100 दिन में लगभग 10000/– रूपये कमाते है। जिससे आज उनका परिवार बहुत सुखी एवं सम्पन्न है। बच्चे भी स्कूल में पढने जा रहे है। गांव के लोग इस समय यही अपने गांव में पूरे परिवार के साथ रहकर कार्य कर रहे है। गांव की स्थिति भी बहुत अच्छी है, पहले गांव से बसईसामन्ता तक का जो

मुख्य रास्ता था वहॉ लोगो को निकलने में परेशानी होती थी, आये दिन बच्चे एवं बडे बूढे गिरते रहते थे, आज इस योजना से सडक का निर्माण होकर इस रास्ते से ट्रेक्टर व गाडियां दौड रही है तथा ग्रामीणो का धौलपुर एवं पास ही कस्बा बसईसामन्ता आने जाने में कोई भी परेशानी नही है। बच्चे साईकिल से उसी सडक से स्कूल जाने लगे है। आज सडक बनने से गांव भी सुन्दर दिखने लगे है तथा साथ ही इस परिवार के सदस्यो को एक लाभ यह भी है कि ज्यादातर परिवार वालो के खाते बैंक या पोस्ट ऑफिस मे नही थे आज इस योजना से बचत खाते खुलने से महिलाये व पुरूष अपनी बचत को अपने खाते में जमा कराने लगे है जिससे उनमे बचत करने की भी आदत पडने लगी है। गांव वालो ने इस योजना के तहत सडक निर्माण एवं रोजगार के बारे में सपने में भी नही सोचा था। आज नरेगा योजना माफलपुरा गांव के लोगो के लिये एक वरदान साबित हुई है। ग्रामीणो को इस योजना के प्रति पूर्ण आस्था है।